श्री श्याम शरण में जाकर के भजन लिरिक्स

श्री श्याम शरण में जाकर के,
जो सारा जीवन बिताते है,
क्या धन दौलत क्या यश वैभव,
वो सारे सुख यही पाते है,
श्री श्याम शरण मे जाकर के।bd।

तर्ज – श्यामा आन बसों।

ना श्याम नाम का कोई मोल,
ना श्याम भक्तो का कोई तोल,
जिनकी माया का छोर नहीं,
महिमा उनकी बतलाते है,
श्री श्याम शरण मे जाकर के।bd।

हाले दिल सबका जानते है,
कौन सच्चा भगत पहचानते है,
सुख दु:ख हर पल में बन साथी,
श्री नाथ जी साथ निभाते है,
श्री श्याम शरण मे जाकर के।bd।

जब मार्ग भटक कोई जाता है,
ना उसके समझ कुछ आता है,
ऐसे में फिसलने से पहले,
देवा उसे संभाल के जाते है,
श्री श्याम शरण मे जाकर के।bd।

क्या सच है और क्या सपना है,
बस श्याम ही जग में अपना है,
जीवन के अंतिम दिन में आ,
प्रभु मुक्ति मार्ग दिखाते है,
श्री श्याम शरण मे जाकर के।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

श्री श्याम शरण में जाकर के,
जो सारा जीवन बिताते है,
क्या धन दौलत क्या यश वैभव,
वो सारे सुख यही पाते है,
श्री श्याम शरण मे जाकर के Ibd।

Singer – Swastika Mishra

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com